जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US: Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-36 | जयपुर, सोमवार, 12 सितम्बर, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के चरण पादुका अभियान से 3 लाख जरूरतमंदों को मिला लाभ

जयपुर (हमारा वतन) डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने वर्ष 2016 में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डुडसी जिला, जालोर, राजस्थान से चरण पादुका अभियान शुरू किया था, जिसके तहत स्कूलों में नंगे पांव आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों को भामाशाहों के सहयोग से जूते उपलब्ध कराए गए। इस अभियान में सभी जनप्रतिनिधियों, स्थानीय भामाशाहों, प्रवासियों और सामाजिक संगठनों ने भी अपना अहम सहयोग देकर अभियान को आगे बढ़ाया और इसके तहत जरूरतमंद बच्चों को चरण पादुका बांटी जा रही है।

सबसे पहले इस अभियान के तहत वर्ष 2016 में राजस्थान के केवल जालोर जिले में लगभग 25 हजार जरूरतमंद बच्चों को जूते उपलब्ध कराए गए। जिसकी प्रशंसा राज्य के तत्कालीन शिक्षा मंत्री प्रोफेसर वासुदेव देवनानी ने की। वर्ष 2017 में राय सरकार के शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को

पत्र लिखकर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी की पहल पर संचालित इस चरण पादुका अभियान को राज्यभर में लागू करने के निर्देश जारी किये। वर्ष 2018 में चरण पादुका अभियान के माध्यम से केवल झालावाड़ जिले में 36844 बच्चों को जूते प्रदान किए गए। वर्ष 2020-21 में नागौर (राजस्थान) में लगभग 30,000 चरण पादुकाओं का वितरण किया गया। वर्ष 2016 से अब तक राजस्थान के लगभग सभी जिलों में हजारों सरकारी स्कूलों में चरण पादुका वितरण कार्यक्रम आयोजित करवाकर कुल लगभग 3,00,000 जरूरतमंद छात्रों को चरण पादुकाएं भेंट की गई। राजस्थान के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, बिहार आदि राज्यों के स्कूलों में भी जरूरतमंद छात्रों को चरण पादुका प्रदान की गई है। कोरोना की प्रथम लहर के दौरान नंगे पांव यात्रा करने वाले प्रवासी मजदूरों को भी डॉ. सोनी की पहल पर जूते, चप्पल मुहैया कराए गए ताकि वे आराम से अपने गांव घर जा सकें।

चरण पादुका अभियान से निम्नलिखित सफलताएँ प्राप्त हुई हैं

1. इस अभियान से देश भर में (विशेषकर राजस्थान राज्य में) गरीब पृष्ठभूमि के लाखों वंचित बच्चों की पीड़ाओं का निवारण हुआ है, उन्हें सर्दी, गर्मी, बारिश आदि में स्कूल आने में कोई समस्या नहीं होती है क्योंकि अब उनके पास अपने खुद के जूते (चरण पादुका) हैं।

2. इस अभियान ने छात्रों की असमानताओं को समाप्त कर दिया है क्योंकि अगर कुछ बच्चे जूते-चप्पल पहनकर आते हैं और कुछ को नंगे पांव स्कूल आने के लिए मजबूर होना पड़ता है तो नंगे पांव वाले बच्चे हीन भावना का शिकार हो जाते हैं।

3. बड़ी बात यह है कि इस अभियान ने स्कूलों में उपस्थिति भी बढ़ा दी है क्योंकि अगर बच्चों को स्कूल आने में परेशानी होती है तो वे स्कूल आना बंद कर देते हैं लेकिन अगर बच्चों के अपने जूते, चप्पल होते हैं तो उन्हें स्कूल आने में परेशानी नहीं होती है और वे नियमित रूप से स्कूल आएंगे। प्राप्त फीडबैक के अनुसार इस अभियान के तहत चरण पादुकाएँ वितरित सरकारी स्कूलों में ड्रॉप आउट की समस्या 10 से 20 प्रतिशत तक कम हुई है।

स्वस्थ मनुष्य को साल में तीन बार रक्तदान करना चाहिए - पूर्व विधायक सैनी

जयपुर (हमारा वतन) ग्राम टाकरड़ा में स्व. रामपाल सैनी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी ग्रामवासियों,जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। जनहित के कार्य रक्तदान में अपनी सहभागिता प्रदान की। इस कार्यक्रम में कुल 153 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसका उपयोग जनहित में किया जाएगा। रक्तदाताओं को पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी व जनप्रतिनिधियों द्वारा टी-शर्ट, बैग एवं प्रशस्ति पत्र देकर मनोबल बढ़ाया गया। पूर्व विधायक सैनी ने कहा कि स्वस्थ मनुष्य को साल में तीन बार रक्तदान करना चाहिए, जिससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती है। इस दौरान आरएलपी विधायक प्रत्याशी छुट्टन यादव, प्रधान रामस्वरूप यादव, सेवादल लल्लूराम सैनी, जिला महामंत्री जयपुर शहर कांग्रेस गुलाब इंदौरा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णकांत जोशी, समाजसेवी डॉ हनुमान बराला, टांकरड़ा सरपंच प्रतिनिधि सुरेश सोड, शिवधारा हॉस्पिटल के डायरेक्टर रामनारायण यादव, डॉ मानप्रकाश सैनी, डॉक्टर नरसी लांबा, भाजपा जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष मुकेश चोपड़ा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश विजयवर्गीय, पार्षद महेंद्र लांबा, अभिषेक सैनी, राजकुमार शर्मा, आशीष यादव, अशोक कुमार रछौया, पूर्व यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव रामकिशोर सैनी, प्रदेश सचिव यूथ कांग्रेस सेवादल सांवरमल सैनी, माली समाज अध्यक्ष दिनेश कुमार सैनी, राधेश्याम माली, घीसा लाल सैनी छीतरमल बबेरवाल, राकेश इंदौरा आदि लोग मौजूद रहे।

डॉ. योगिता जोशी को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु किया सम्मानित

जयपुर (हमारा वतन) वेदांता इन्टरनेशनल स्कूल ,गोविंदपुरा में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय की शिक्षिकाओं को सुशीला राव, रंजना शर्मा, शोभना चौहान एवं प्राचार्या डॉ. योगिता जोशी को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु संस्थान के निदेशक यादव ने शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संस्थान के निदेशक यादव ने कहा कि आप लोग इसी कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी से काम करते रहे और हम आपको बार-बार सम्मानित करते रहें ।अन्य सभी शिक्षकों को आप लोगों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

सजना सैनी को मिली पीएचडी की उपाधि

जयपुर (हमारा वतन) चौमूं तहसील के सामोद रोड नीमड़ी, ग्राम हाथनौदा निवासी सजना सैनी धर्मपत्नी राधा मोहन सैनी को पीएचडी की उपाधि मिली है। सजना सैनी ने भगवंत विश्वविद्यालय अजमेर से भूगोल संकाय में बदलता फसल प्रारूप व भूजल अवनयन गोविंदगढ़ विकासखंड जिला जयपुर का एक विशेष अध्ययन विषय पर डॉ एल सी वर्मा के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया है, जिसमें विकासखंड के ऊपर 40 वर्षों में कृषि प्रारूप व भूजल अवनयन में परिवर्तन, प्रभाव, निष्कर्ष, निदान पर शोध कार्य किया है। गौरतलब है कि सजना सैनी वर्तमान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उमरचा, पंचायत समिति भैंसरोडगढ़, जिला चित्तौड़गढ़ में 2012 से अध्यापिका पद पर अपनी सेवाएं दे रही है। शोधार्थी ने अपने अध्यापन में निरंतरता रखते हुए पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है। सजना सैनी अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार जनों ,माता पिता, गुरुजनों विद्यालय स्टाफ और सभी लोगों को देती है जिन्होंने प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग और मार्गदर्शन किया है।

साक्षरता दिवस के अवसर पर किया जन जागरूकता रैली एवं प्रतियोगिता का आयोजन

देहरादून (हमारा वतन) रा. उ. मा. बिझौली में साक्षरता दिवस के अवसर पर जन जागरूकता रैली एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतियोगिता में विकास ने प्रथम स्थान, अफजल ने दूसरा स्थान, अतुल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। गांव के वरिष्ठ नागरिक मोहम्मद इनाम व दिलशाद अभिभावक ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के संयोजक अशोक पाल ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 के तहत आधारभूत साक्षरता एक बुनियादी साक्षरता जरूरी है। इस अवसर पर इसराना, प्रधानाचार्य नीरज नैथानी, डॉक्टर कमल कांत बरुआ, सुधीर सैनी, मोहर सिंह, अमन, अतुल, अफजल, निकिता, सोनम, रचना, झंकार, रितिका, अक्षय आदि शामिल रहे। इस अवसर पर जब तक अनपढ़ है इंसान, नहीं रुकेगा यह अभियान सबको सादर करने की शपथ दिलाई।

लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर

कचौलिया रोड, मगध नगर, बचपन स्कूल के पास चौमूं, जयपुर

क्या आप अभी तक मातृत्व सुख से वंचित हैं ? तो हमसे मिलें !

सुरक्षित नॉर्मल, सिजेरियन डिलीवरी

निदेशक
डॉ.धर्मराज सिंह लोनिया

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा

निःसंतानता अब अभिशाप नहीं, पाएँ मातृत्व का सुख !

फ्री परामर्श

संपर्क - 9636247286, 9928747286

सभी प्रकार की जांच और दवाइयों पर 20 प्रतिशत की छूट

चौमूं का इतिहास

गतांक से आगे.....

भाग 18

ठाकुर जोधसिंह की मृत्यु के पश्चात उनके तीसरे पुत्र रतनसिंह चौमूं के शासक बनें। रतनसिंह के जमाने में चौमूं में डोडा-छोंतरा (अफीम या खस के दाने की खेती) तेल, तंबाकू, कोठियां और राहबारी आदि की आमदनी के ठेके या इजारे अधिक होते थे। रतनसिंह के जमाने में राहधारी की आमदनी अच्छी थी और धनी लोगों की अधिकता होने से व्यापार व्यवसाय भी बहुत बढ़े हुए थे। रतनसिंह का केवल एक विवाह हुआ था। अपनी धर्मपत्नी पद्मकुंवरि (चौहान) बावली के सरदार गोपालसिंह की पुत्री थी। वह अपने धर्म-कर्म और ठाकुर सेवा मे रत रहते थे। उन दिनों चौमूं जानरायजी के जूने मंदिर के महंतों के पास जटाधारी खाकी साधुओं की बड़ी भारी जमात थी। उनके स्मृति-चिन्हों में मुख्य तो 'मांवड़े का मैदान' है, जिसमें जाट राजा को हरा कर जयपुर राज्य विजयी हुआ।

प्रिंस कुमार उप्पल (मुद्राशास्त्री) निदेशालय,पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग-जयपुर

ठाकुर रतनसिंह के अपुत्र अवस्था में देहांत हो जाने के बाद उनके भजीजे रणजीतसिंह चौमूं के शासक बने। सोलह वर्ष के शासन काल में ही अपने को रण में रणजीत, धैर्य में रणधीर, व्यवहार में प्रणवीर और बर्ताव में मेधावान प्रकट किया और विशेषकर वीरता में उनका नाम सर्वाधिक विख्यात हुआ। रणजीतसिंह उपरोक्त प्रकार के बालकों में एक थे। उन्होंने तुंगा आदि के युद्धों में ऐसी ही वीरता दिखलाई थी। सिर्फ 15 वर्ष की अवस्था में वह कछवाही सेना के सहगामी हुए थे और देश के अधिकांश भागों से पिंडारियों आदि को भगाया था। उन दिनों लुटेरे मराठे अनेक तरह के उत्पात करते थे उन से राजपूताना के छोटे बड़े सभी राजा नाराज थे।

शेष अगले अंक में

पॉलिथीन कचरे का निस्तारण करने की दिशा में नवाचार

कोटा (हमारा वतन) पॉलिथीन कचरे का निस्तारण हमारे लिए बड़ी समस्या बन गयी है। लेकिन कोटा शहर के एम.के. प्रताप ने नवाचार करते हुए पॉली-टोचा नामक एक ऐसा यन्त्र बनाया है जो हमारे दैनिक कचरे से पॉलिथीन को अलग करने में सहायक सिद्ध होगा।इस अनोखी तरकीब को पेश करते हुए कोटा शहर निवासी एम.के. प्रताप लोगों को जागरूक कर रहे हैं। पर्यावरण के संरक्षण और कचरे के सेग्रिगेशन की दिशा में यह एक नई पहल है। ऐसा करने के लिए उन्होंने एक टूल 'पॉली-टोचा' बनाया है जिसके उपयोग से घरों, दुकानों, रेस्टोरेंट, होटल आदि से कचरे वाली पॉलिथीन बण्डल के रूप में बंधकर निकल सकेगी और इस प्रकार कचरा प्रबंधन जन भागीदारी से हो सकेगा, बिना किसी अतिरिक्त मशीन व मैनपावर के। एम.के. प्रताप पर्यावरण के संरक्षण और प्लास्टिक कचरे की समस्या के निराकरण हेतु लोगों के बीच जाकर उन्हें नई राह दिखा रहे हैं। जन जाग्रति के लिए उन्होंने लोगों की भीड़ व कोटा में चलने वाली बसों पर निशाना साधा और जन जन तक अपने इस संदेश को पहुंचाने का काम किया। अपने द्वारा बनाए हुए 'पॉली-टोचा' का डेमो देते हुए बताया कि पत्रियों/ प्लास्टिक को किस प्रकार से बांधकर आप कचरे की गाड़ी में डाल सकते हैं।

'पॉली-टोचा' लागत सिर्फ 50 रुपए

एम.के. प्रताप ने बताया कि पालिथीन-कचरा एक बड़ी समस्या है, इसको हल करने के लिए मैंने अनुराग प्रताप के साथ मिलकर एक टूल बनाया है। जिसकी लागत सिर्फ 50 रुपए आई है और लोगों को लागत मूल्य पर ही पॉली-टोचा यंत्र दिया जा रहा है। यह औज़ार पत्रियाँ, रेपर्स, पालिथीन आदि को पिन करके उन्हें बांधकर उनकी गड्डी बनाने में हमारी मदद करता है। इस टूल का नाम है 'पॉली-टोचा'।

पालिथीन अगर कचरे के साथ मिल जाएँ तो उसको अलग करना व साफ करना मुश्किल काम है। इसलिए इन पालिथीन को हम मिक्स होने से पहले ही इस टूल द्वारा पिन करके हर घर व दुकान में पत्रियों की गड्डी बना लें तो हमारा कचरा पत्री मुक्त होगा और पत्रियाँ भी हमारे उपयोग में आ सकेंगी। इस काम को जन-भागीदारी द्वारा सरलता से पूरा करने के लिए यह टूल उपयुक्त सिद्ध हो रहा है।

कैसे करें यूज- पॉली-टोचा के द्वारा हम पालिथीन को टांचकर (पिन करके) रस्सी का उपयोग करते हुए उसकी गड्डी बना सकेंगे जो हमारे कचरा प्रबंधन में सहयोग करेगा। साथ ही पालिथीन की ये गड्डियाँ दूसरे अनेक कामों में उपयोग हो सकेंगी जैसे तारकोल की सड़क बनाने में, प्लास्टिक ग्रेनुयल बनाने में, प्लास्टिक को री-सायकिल करने में।

यह टूल हम अनेक जगह रख सकते हैं जैसे; डस्टबिन के पास या डस्टबिन के ढक्कन के ऊपर कस सकते हैं, कैंटीन, रेस्टोरेन्ट खोंचे वालों के यहाँ, कचोरी-समोसे वालों के यहाँ, चाय की थड़ी, किचिन के अंदर, उस टेबिल पर जहां खाने-पीने की सामग्री परोसी जाए, शादी-पार्टी, भंडारा, भोज आयोजनों में साथ ही स्कूल के लाखों छात्र करोड़ों पत्रियों को इस तरकीब से बिखरने-उड़ने से सहज ही रोक सकेंगे। इस डिवाइस के लिए पेटेंट भारत में फाइल हो चुका है।

बेस्ट जर्नलिस्ट अवार्ड 2022 के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (हमारा वतन) आदर्श पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित होने वाले बेस्ट जर्नलिस्ट अवार्ड 2022 के पोस्टर का विमोचन पत्रकार संस्था कार्यालय धौली मंडी चौमूं में किया गया। राष्ट्रीय महासचिव और आयोजक मुकेश शर्मा ने बताया कि बेस्ट जर्नलिस्ट अवार्ड 2022 बुधवार 14 सितंबर को शाम 4 बजे से राजमहल पैराडाइज चौमूं में आयोजित किया जाएगा। प्रदेश महासचिव मुकेश सैनी ने कहा कि इस दौरान पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान देने वाले पत्रकारों का सम्मान किया जाएगा। पोस्टर विमोचन के दौरान पत्रकार संस्था दिनेश कुमार कुमावत, राम गोपाल सैनी, सुनील कुमार पाराशर, मुकेश कुमार सैनी, संदीप कुमावत, रमेश कुमावत, ब्राह्मण समाज पूर्व अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

कृषि मंत्री ने केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री को पत्र लिखकर स्वीकृत मांग अनुरूप यूरिया एवं डीएपी का अतिरिक्त आवंटन करने का किया आग्रह

जयपुर(नि.सं.)। कृषि मंत्री श्री लालचन्द कटारिया ने केन्द्र सरकार से राज्य को स्वीकृत मांग अनुरूप सितम्बर माह में एक लाख मैट्रिक टन यूरिया एवं 50 हजार मैट्रिक टन डीएपी का अतिरिक्त आवंटन करवाकर तत्काल आपूर्ति करने का आग्रह किया है। उन्होंने इस संबंध में केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर प्रदेश में किसानों की यूरिया एवं डीएपी की वर्तमान मांग से अवगत कराते हुए तत्काल आपूर्ति का अनुरोध किया है। कृषि मंत्री श्री कटारिया ने पत्र में बताया कि केन्द्र सरकार ने राज्य को खरीफ-2022 के लिए 8.50 लाख मैट्रिक टन यूरिया एवं 4.40 लाख मैट्रिक टन डीएपी की मांग स्वीकृत की थी। जिसके तहत अगस्त एवं सितम्बर महीने में 3.52 लाख मैट्रिक टन यूरिया एवं 1.80 लाख मैट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति होना अपेक्षित था।

14 सितंबर को जयपुर में होगा अरीना प्रीमियर लीग का शुभारंभ

जयपुर (हमारा वतन) 14 सितंबर को एपीएल अरीना प्रीमियर लीग का शुभारंभ किया जायेगा। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग लेंगी और कुल 7 मैच खेले जाएंगे। हर मैच 15 ओवर का होगा। अरीना एनीमेशन की निर्देशिका रोलिका सिंह ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी फिटनेस व हेल्थ के प्रति जागरूक करना है, क्योंकि आज हर खेल में बच्चे अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर खेलते हैं। यहां तक कि क्रिकेट भी। यह उनके लिए कितना हानिकारक हो सकता है। इसे देखते हुए इस एपीएल अरीना प्रीमियर लीग कराया जा रहा है।इसका फाइनल जयपुर स्थित रेलवे क्रिकेट ग्राउंड में 18 सितंबर को खेला जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थी बहुत यादा उत्साहित हैं। इसमें सात मैन ऑफ द मैच और 2 मैन ऑफ द सीरीज जीतने वाली टीम को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

130 महिलाओं ने 3 मिनट में अपने बाल दान कर बनाया रिकॉर्ड

उदयपुर (हमारा वतन) उदयपुर में जेडीसीए डांस स्टूडियो और जिंहाल फाउंडेशन ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कर इतिहास रच दिया है। जेडीसीए डांस स्टूडियो एंड जिंहाल फाउंडेशन द्वारा डांस फॉर कैंसर वॉरियर्स का आयोजन किया गया था जिसमें 130 महिलाओं ने सिर्फ 3 मिनट में अपने बाल दान किए और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। अकादमिक विद्वान, मानवतावादी, समाजसेवी डॉ. परीन सोमानी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही, जिन्होंने दो बार कैंसर से जंग जीती है। इस दौरान गीतांजलि अस्पताल के सीईओ प्रतिम तंबोली भी उपस्थित रहे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कैंसर से पीड़ित महिलाओं को विग बनाना और फ्री विग देना है। रूपल मेघवाल और पूजा लोढ़ा ने अपने बाल मुंडवाए। निर्देशक जितेंद्र साल्वी ने बताया कि उन्होंने अपने बाल अपने पिता को समर्पित किए जो खुद कैंसर फाइटर थे। महिलाओं के बाल अशोक पालीवाल और उनके समूह ने काटे। कैंसर योद्धाओं के लिए जिंहाल फाउंडेशन और जेडीसीए डांस स्टूडियो डांस का यह पहला आयोजन था ,जिसमें जेडीसीए डांस क्लास के 150 बच्चों ने कैंसर थीम पर डांस कर लोगों को प्रेरित किया और वहां मौजूद कैंसर पीड़ितों को सकारात्मक संदेश दिया और बताया कि डांस भी एक थेरेपी है जिसे कर वे ठीक हो सकते हैं।

(कविता) लगता है

सिद्धार्थ गोरखपुरी

एक चेहरा अब तेरे जैसा लगता है
सीरत से तो मेरे जैसा लगता है
इश्क करूँ? लेकिन कंगाल भी हूँ!
दिल ने कहा मोहब्बत में पैसा लगता है
डूब जाने को वैसे तो समंदर है
आँखों में कैसे सब डूबा करते हैं
जो दिल के कर देगी टुकड़े - टुकड़े
फिर भी अब उसको महबूबा कहते हैं
जिनके दिल टूटे हैं उनसे पूछो जरा
के दिल टूट जाने पर कैसा लगता है
इश्क करूँ? लेकिन कंगाल भी हूँ!
दिल ने कहा मोहब्बत में पैसा लगता है
भूल जाने में वैसे तो तुम माहिर हो
दिल में मेरे क्या है ये भी जाहिर हो
तुमसे अब भी मोहब्बत है मुझको
तुमको ही बस ऐसा लगता है
इश्क करूँ? लेकिन कंगाल भी हूँ!
दिल ने कहा मोहब्बत में पैसा लगता है
हवाएं ढूंढ कर यादों को तेरी ला रही है
आहिस्ता - आहिस्ता मुझे ये
सता रही है
जवाब माकूल तो होगा नहीं तेरे पास
फिर भी बता दे के क्या मेरी
खता रही है
तूँ भरपूर पछता रहा है लम्हा -लम्हा
मुझको तो हरदम ऐसा लगता है
इश्क करूँ? लेकिन कंगाल भी हूँ!
दिल ने कहा मोहब्बत में पैसा लगता है

मेरे पापा (कविता)

विकास कुमार उज्जैनियां,मुंबई

कभी सख्त झाड़ तो कभी
मखमली फूल बन जाते हो !
कभी मम्मी की चप्पल
से बचाते हो,
तो कभी खुद ही मुर्गा
बना देते हो !
प्यार करते हो बहुत हमसे
पर कभी नहीं बताते हो !
आप वही हो ना जो
खुद भूखे रहकर
मेरे जूस की बोतल बन जाते हो !
कैसे बोल सकता हूँ मैं आपको
इस दिल से शुक्रिया मेरे पापा !
शाम को थक कर
जब विश्वविद्यालय से घर आते हो
मुस्कराहट से हमारी
अपनी सारी थकान भूल जाते हो !

जॉब्स

1. राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर, पद जूनियर असिस्टेंट व क्लर्क, पद संख्या 2756, अंतिम तिथि 23 सितंबर 2022
2. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद असिस्टेंट इंजीनियर, रेवेन्यू ऑफिसर व एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, पद संख्या 118, अंतिम तिथि 27 सितंबर 2022
3. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन, पद सीजीएल, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 1 अक्टूबर 2022
4. भारतीय स्टेट बैंक, पद जूनियर एसोसिएट क्लर्क, पद संख्या 5008, अंतिम तिथि 27 सितंबर 2022
5. सीमा सुरक्षा बल, पद कॉन्स्टेबल रेडियो ऑपरेटर एंड रेडियो मैकेनिक, पद संख्या 1312, अंतिम तिथि 19 सितंबर 2022
6. डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन डीआरडीओ, पद सीनियर टेक्नीशियन असिस्टेंट एंड टेक्नीशियन, पद संख्या 1901, अंतिम तिथि 23 सितंबर 2022
7. आइटीबीपी, पद कॉन्स्टेबल एनिमल ट्रांसपोर्ट, पद संख्या 52, अंतिम तिथि 27 सितंबर 2022
8. फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया एफसीआई, पद मैनेजर, पद संख्या 113, अंतिम तिथि 26 सितंबर 2022

चाहत खन्ना से लेकर शहनाज गिल हिमांशी खुराना तक, टीवी की इन एक्ट्रेसेस के बीच जमकर हुई है कैट फाइट

टीवी की कई ऐसी एक्ट्रेसेस होती हैं जिनके इंडस्ट्री में ही दोस्त होते हैं। लेकन कुछ ऐसी एक्ट्रेसेस भी हैं जो एक-दूसरे को एक आंख नहीं भाती। बता दें कि कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जिनकी दूसरी एक्ट्रेसेस के साथ खूब बहस हुई है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर भी इन्होंने एक-दूसरे को नीचा दिखाने की भी कमी नहीं छोड़ी है। किसी ने प्रोफेशनल तो किसी ने दूसरे की पर्सनल लाइफ पर खूब बवाल मचाया। तो चलिए बताते हैं आपको टीवी एक्ट्रेसेस की पॉपुलर कैट फाइट के बारे में। इस लिस्ट में उर्फी जावेद, शहनाज गिल, निया शर्मा जैसी एक्ट्रेसेस भी शामिल हैं।

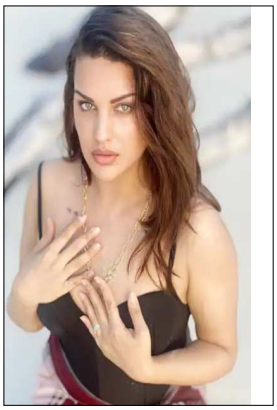

उर्फी जावेद-चाहत खन्ना-उर्फी जावेद और चाहत खन्ना के बीच कुछ दिनों पहले ही सोशल मीडिया पर जमकर बहस हुई। दरअसल, चाहत ने सोशल मीडिया पर उर्फी के कपड़ों को लेकर उन्हें ट्रोल करना चाहा, लेकिन उर्फी भी चुप नहीं रहीं और उन्होंने चाहत की पर्सनल लाइफ को लेकर खूब खुलासे किए। हालांकि बाद में उर्फी ने अपनी गलती मानते हुए कहा था कि वो कितना भी नीचे गिरे, लेकिन मुझे ऐसे पर्सनल लाइफ पर नहीं बोलना था। यह मैंने गलत किया।

शहनाज गिल-हिमांशी खुराना-शहनाज गिल और हिमांशी खुराना दोनों ही पंजाब इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। दरअसल, शहनाज ने हिमांशी के एक गाने को घटिया कहा था। इतना ही नहीं उन्होंने हिमांशी के लिए काफी नेगेटिव कमेंट्स भी किए थे। इसके बाद हिमांशी ने शहनाज को खूब करारे जवाब दिए थे। इसके बाद दोनों के बीच की ये लड़ाई चलती रही।

देवोलीना भट्टाचार्जी-निया शर्मा-जब पर्ल वी पुरी का नाम रेप केस में आया था तब देवोलीना ने आरोप लगाने वाली का सपोर्ट किया था। वहीं निया शर्मा ने देवोलीना का विरोध किया था। उन्होंने देवोलीना को लेकर काफी नेगेटिव बातें की।

पसीने की वजह से हो रही है खुजली? तो पाएं इससे छुटकारा

किसी के भी सामने खुजली करना आपको असहज कर सकता है। इसलिए खुजली को चुपचाप बर्दाश्त करने की बजाए इसके कारणों को जानकर समाधान की ओर बढ़ें।गर्मी और मानसून चिलचिलाती गर्मी और उमस के लिए जाने जाते हैं। इसलिए इन दिनों में बहुत ज्यादा पसीना आता है। सिर्फ पसीना आना कोई परेशानी नहीं है। पर पसीने के कारण होने वाले चकत्ते, लालिमा और खुजली आपको परेशान कर सकती है। जिससे त्वचा में रैशेज और जलन भी होने लगती है। खुजली करना कुछ अस्थायी आराम प्रदान कर सकता है, लेकिन यह स्किन को परेशान भी करता है, जिससे और अधिक खुजली हो जाती है। यदि आपको बहुत अधिक पसीना आ रहा है, जो खुजली का कारण बन रहा है, तो जानिए इस खुजली से निपटने के 5 घरेलू उपाय।पसीने के कारण होने वाली खुजली से निपटने के लिए हेल्थ शॉट्स ने डॉ रिंकी कपूर से बात की। डॉ रिंकी कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट, कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट और डर्माटो-सर्जन, द एस्थेटिक क्लीनिक की संस्थापक हैं। गर्मी और मानसून स्किन के अनुकूल मौसम नहीं होते और त्वचा पर होने वाली खुजली इस मौसम को और भी मुश्किल बना देती है। गर्मी के दानों में सबसे आम कारणों में, जिसे मिलिरिया, स्वेट रैश या हीट रैश के रूप में भी जाना जाता है, में उच्च तापमान और उमस शामिल हैं।डॉ कपूर कहती हैं, जो पसीना बहता नहीं है वह स्किन पर छोटे-छोटे छाले के रूप में दिखाई देता है। जिसमें खुजली होती है। गर्मी से होने वाले दाने शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन यह अंडरआर्म्स, कमर, पैरों के तलवे, गर्दन के पिछले हिस्से, हाथों, छाती और यहां तक ??कि पेट पर भी देखे जा सकते हैं। अत्यधिक पसीने के अलावा, वजन ज्यादा होने, शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने, गर्म कपड़े पहनने के कारण भी हीट रैश हो सकते हैं।यह एक सामान्य स्थिति है, लेकिन साथ ही कुछ प्राकृतिक घरेलू सामग्री और थोड़ी सी त्वचा की देखभाल से इन समस्याओं से निपटा जा सकता है।

1. मुल्तानी मिट्टी-रोमछिद्रों को खोलने और स्किन को मुलायम बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी एक बेहतरीन विकल्प है। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल की कुछ बूंदें मिलाएं और प्रभावित क्षेत्रों पर लगाएं। 15 मिनट बाद धो लें। इस पेस्ट का इस्तेमाल रोजाना करें।

2. चंदन पाउडर -शुद्ध चंदन का पाउडर लें या अपने आप ताजा पीस लें और इसे थोड़े से गुलाब जल के साथ मिलाएं। दाने पर लगाएं और सूखने दें। एक बार सूखने पर ठंडे पानी से धो लें। चंदन पाउडर जीवाणुरोधी, एनाल्जेसिक और सूजनरोधी है जिससे जलन और चुभन में राहत मिलती है।

3. ओटमील -ओटमील गर्मी के दाने के कारण होने वाली त्वचा की सूजन को शांत करने के लिए एक पारंपरिक नुस्खा है। बस थोड़ा सा बारीक पिसा हुआ ओटमील लें और इसे अपने नहाने के पानी में मिला लें। प्रभावित क्षेत्र को लगभग 30 मिनट तक भिगोएं फिर सुखाएं। यह खुजली को शांत करता है। ऐसा हफ्ते में दो या तीन बार करें।

4. कॉर्नस्टार्च -कॉर्नस्टार्च का पेस्ट लें और पसीने के दाने पर लगाएं और सूखने दें। एक बार सूख जाने पर ठंडे पानी से धो लें। कॉर्नस्टार्च त्वचा पर कठोर नहीं होता है और स्किन इरिटेशन को शांत करता है। आप ऐसा दिन में एक बार कर सकती हैं।

5. आलू -आलू का एक साधारण टुकड़ा स्किन को तुरंत राहत दे सकता है। आलू के टुकड़े को फ्रिज में रख दें और ठंडा होने दें। आलू के ठंडे स्लाइस को प्रभावित जगह पर लगाएं।

करीना कपूर खान का योगा करते हुए वीडियो वायरल, ट्रोल्स बोले- बुढ़ापे में योगा से कुछ नहीं होगा!

करीना कपूर खान बॉलीवुड की फैशन आइकन और फिट एक्ट्रेस हैं। एक्ट्रेस अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हैं। कई सेलेब्स भी करीना की फिटनेस और खूबसूरती के दीवाने हैं। अब एक्ट्रेस का एक योगा वीडियो सामने आया है जिसमे वह योगा करते नजर आ रही हैं। इस वीडियो को करीना के योगा ट्रेनर ने शेयर किया है। वीडियो को देखने के बाद अब एक तरफ जहां सभी फैंस करीना की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स एक्ट्रेस को ट्रोल कर रहे हैं। वे करीना को लेकर वीडियो पर नेगेटिव कमेंट्स कर रहे हैं। कोई उन्हें आंटी बोल रहा है तो कोई कह रहा है कि बुढ़ापे में योगा से कुछ नहीं होगा। तो किसी ने कहा बुड्ढी बेबो। हालांकि फैंस उन ट्रोलर्स को भी जवाब दे रहे हैं और कह रहे हैं कि इस उम्र में और इतनी बिजी लाइफ के बाद भी खुद का ध्यान रखना आसान नहीं है।खैर वैसे भी करीना को ट्रोलिंग से फर्क नहीं पड़ता है। वह कई बार ट्रोलिंग का शिकार होती हैं। लेकिन वह खुद कहती हैं कि वह इन नेगेटिव बातों पर ध्यान नहीं देती हैं।करीना की पिछले महीने ही फिल्म लाल सिंह चड्ढा रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ आमिर खान लीड रोल में थे। लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गम्प का हिंदी रीमेक थी, लेकिन फिर भी फिल्म नहीं चली। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से नेगेटिव कमेंट्स मिले। अब करीना सुजॉय गोष की फिल्म द सस्पेक्ट ऑफ डिवोशन एक्स में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ विजय वर्मा और जयदीप अहलावत होंगे। इसके बाद वह हंसल मेहता की फिल्म में नजर आएंगी जिसका नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है।दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के जरिए करीना बतौर प्रोड्यूसर भी काम करेंगी। ये उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म है। करीना के प्रोडक्शन का नाम है मेडन प्रोडक्शन।

जब वेब सीरीज में बोल्ड सीन देने में रो पड़ीं ऐक्ट्रेसस, किसी पर गिरा गरम मोम तो किसी ने यूज किया तकिया

कुब्रा सैत ने बताया था कि वह नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ सेक्स सीन के बाद फर्श पर लेटकर काफी देर रोई थीं। वहीं त्रिधा चौधरी और पौरषपुर की अश्मिता चौधरी ने भी बोल्ड सीन्स से जुड़े खुलासे किए थे।

ओटीटी में सेंसरशिप न होने के चलते वेब सीरीज में बोल्ड सीन्स की जमकर भरमार देखने को मिलती है। कई वेब सीरीज अपने बोल्ड कॉन्टेंट के लिए जानी जाती हैं। इनके सीन्स देखने में दर्शकों को बस कुछ ही सेकेंड्स का मामला लगें पर शूट करना उतना ही कठिन रहा। समय-समय पर ऐक्टर्स इन चर्चित सीन्स के बारे में बात भी कर चुके हैं। सेक्रेड गेम्स, आश्रम और पौरषपुर जैसी चर्चित वेब सीरीज की ऐक्ट्रेसस बता चुकी हैं कि ये सीन्स कैसे शूट हुए और उन्हें क्या दिक्कत आई।

फर्श पर लेटकर रोई कुब्रा सैत-कुब्रा सैत ने सेक्रेड गेम्स में ट्रांस वुमन का रोल निभाया था। वह मैशेबल इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि उनका सेक्स सीन सात बार शूट किया गया था क्योंकि डायरेक्टर अनुराग कश्यप को सात अलग-अलग व्यू पॉइंट्स चाहिए थे। कुब्रा ने बताया था कि उन्होंने एक-एक करके सात बार सीन शूट किया। सातवीं बार वह रोने लगीं। उन्होंने बताया कि वह फर्श पर पड़ी रोती रहीं। इस पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी को कहना पड़ा, मुझे लगता है कि आपको बाहर जाना चाहिए क्योंकि मेरा सीन अभी बचा है।

विराट कोहली हुए इमोशनल

कहा मेरे 60-70 रन को फेलियर कहा जा रहा था, जो...'

मैच के बाद कोहली के बयान में उनका दर्द छलका। कोहली ने कहा कि उनकी 60-70 रनों की पारी को भी फेलियर कहा जा रहा था जो काफी चौंकाने वाला था। वहीं कोहली ने पत्नी अनुष्का को अपनी इस सफलता का श्रेय दिया।

नई दिल्ली। 1020 दिनों के शतक के सूखे को खत्म कर विराट कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ 122 रनों की नाबाद पारी खेली। किसी को भी अंदाजा नहीं था कि कोहली इस अंदाज में अपने शतक के सूखे को खत्म करेंगे। दरअसल, कोहली इससे पहले 103 ञ्20ढ्ढ मुकाबले खेले थे मगर उन्होंने इस फॉर्मेट में शतक नहीं लगाया था। खैर किंग कोहली ने फैंस के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 71वां शतक ठोका। मैच के बाद कोहली के बयान में उनका दर्द छलका। कोहली ने कहा कि उनकी 60-70 रनों की पारी को भी फेलियर कहा जा रहा था जो काफी चौंकाने वाला था। वहीं इसी के साथ कोहली ने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा को अपनी इस सफलता का श्रेय दिया।मैच के बाद मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने पहुंचे विराट कोहली ने कहा %सबसे पहले मैं आभारी हूं कि आज का दिन ऐसा गुजरा. क्रिकेट से दूर रहने की वजह से मैं बहुत कुछ सीख पाया और अपनी खामियों के बारे में जान पाया। मैंने पहले भी एक विशेष इंसान का उल्लेख किया था-अनुष्का, जो इन कठिन समय में मेरे साथ खड़ी रही। मेरे खराब दौर में भी वह वो मेरे साथ थी और उसने सब देखा। वह मुझे सही मार्गदर्शन देती रही। उसने मुझे चीजों को नए तरीके से देखना सिखाया और इस वजह से मैं रिलैक्स होकर वापस आया।उन्होंने आगे कहा %मुझे जो भी मिला है भगवान की वजह से मिला है और इस बात को स्वीकार करने में मुझे कोई शर्म नहीं आती। ईमानदारी से कहूं तो मैंने अपनी पूरी ताकत से बल्लेबाजी की और मैंने खुद को चौंका दिया। मेरे 60-70 रन को भी फेलियर माने गए जो काफी चौंकाने वाला था। मैं

T20 World Cup 2022 के लिए आशीष नेहरा ने किया 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन, ये दिग्गज तेज गेंदबाज बाहर

नई दिल्ली। एशिया कप 2022 में निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद रोहित शर्मा की टीम इंडिया अब टी20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ अपने घर में टी20 सीरीज खेलेगी। ये सीरीज अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए से पहले टीम को अपनी कॉम्बिनेशन और गलितयों को सुधारने का मौका देगा। इस बीच, पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए अपनी 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन किया है। नेहरा ने इस टीम में से एक बड़े खिलाड़ी को बाहर रखा और उनका नाम है मोहम्मद शमी। तेज गेंदबाज शमी ने आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस को खिताब जिताने में अहम योगदान दिया था और नेहरा इस टीम के कोच थे। नेहरा ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए जिन चार तेज गेंदबाजों को भारतीय टीम में चुना है, उनमें जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार शामिल है। नेहरा ने कहा कि शमी ने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर नहीं खींचा क्योंकि वह टेस्ट स्पेशलिस्ट हैं।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

कप्तान आरोन फिंच वनडे क्रिकेट से लेंगे संन्यास, प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर सकते हैं ऐलान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच जल्द ही अपने करियर को लेकर बड़ा फैसला करने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोन फिंच ODI क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि वह टी20 फॉर्मेट में खेल खेलना जारी रखेंगे। उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम वनडे की पूर्व संध्या पर प्रेस को संबोधित करते हुए एक बड़ी घोषणा करने की संभावना है। हालांकि कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है, codesports.com.au की एक रिपोर्ट बताती है कि फिंच अपने वनडे भविष्य के बारे में निर्णय की घोषणा कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और अपने खराब प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में हैं।ऑस्ट्रेलिया अक्टूबर-नवंबर में टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। हालांकि ये देखना भी दिलचस्प रहेगा कि फिंच अपने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के भविष्य को लेकर कोई फैसला करेंगे या नहीं। मेजबान देश के लिमिटेड ओवरों के कप्तान एरॉन फिंच ने जुलाई में कहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के कई सीनियर खिलाड़ियों के लिए यह अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है और वह भी उनमें से एक हैं।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

समस्याओं से जूझती विवाह संस्था

बीते दिनों केरल उच्च न्यायालय की इस टिप्पणी ने सारे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा कि 'नई पीढ़ी विवाह को बुराई के रूप में देखती है और आनंद से जीने के लिए इससे बचना चाहती है। लिव इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ रहा है।' यह समाज के लिए चिंता का विषय है। उच्च न्यायालय ने इस चलन को वैवाहिक संबंधों के मामले में 'यूज एंड थ्रो' वाली संस्कृति की संज्ञा दी। उसने विवाह के प्रति युवा पीढ़ी के घटते मोह पर भी अपनी चिंता प्रकट की। यह चिंता स्वाभाविक भी है, क्योंकि विवाह संस्था पर ही समाज की आधार भूमि खड़ी है। अगर यह प्रभावित होगी तो स्वाभाविक रूप से इसका प्रभाव सामाजिक संरचना पर भी पड़ेगा।विवाह संबंधों के बिखराव पर अमूमन पश्चिमी संस्कृति को दोष देने की मानसिकता दृष्टिगोचर होती है, परंतु क्या पश्चिमी देशों को उलाहना देने मात्र से भारत में बिखरते वैवाहिक संबंधों की समस्या से मुक्ति मिल सकती है? अगर ऐसा होता तो यह समस्या इतनी तीव्रता से भारतीय समाज को नहीं जकड़ती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम यह जानने का प्रयास करें कि क्यों युवा पीढ़ी को विवाह रास नहीं आ रहा? वह क्यों उन्मुक्त जीवन जीना चाह रही है? रक्तसंबंधों के अतिरिक्त वे रिश्ते जिनका चुनाव स्वयं करना होता है, उसके पीछे मुख्यतः 'आवश्यकता' का सिद्धांत कार्य करता है। विवाह सदैव भावनात्मक एवं मानसिक संबलता का पर्याय माना जाता रहा है। वैवाहिक संबंधों की सबसे बड़ी खूबसूरती अंतर्निर्भरता है, जो उसके स्थायित्व का मूलभूत तत्व भी है। दंपती अपनी दैहिक, भावनात्मक एवं भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, परंतु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब उत्पन्न हुई, जब ये आवश्यकताएं वैवाहिक संबंधों की परिधि से बाहर प्राप्त होने लगीं। यहीं से विवाह की आवश्यकता को नकारा जाने लगा और विवाह उत्तरदायित्वों का अंतहीन बोझ प्रतीत होने लगा।जो युवा येन-केन प्रकारेण विवाह संबंधों में बंध भी गए, उनमें से कुछ को यह निर्णय गलत प्रतीत होता है और इसका एक बहुत बड़ा कारण स्व-श्रेष्ठता का भाव है।

राम गोपाल सैनी

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

निर्विरोध जांगिड़ समाज अध्यक्ष बनने पर
भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने किया सम्मान

जयपुर (हमारा वतन) चौमूं शहर के वार्ड नंबर 36, मोरीजा रोड स्थित लक्ष्मण धर्म कांटे के पास जांगिड़ समाज शाखा अध्यक्ष नानू जांगिड़ को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाए जाने पर अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने महाकाल का दुपट्टा और साफा पहनाकर सम्मानित किया और उजवल भविष्य की कामना की । नवनियुक्त अध्यक्ष नानू राम जांगिड़ ने भी पंडित रविंद्र आचार्य को साफा और माला पहनाकर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान राजकुमार शर्मा जिला महासचिव कांग्रेस, राजेंद्र जांगिड़, ज्ञान प्रकाश जांगिड़, गणपत जांगिड़, श्रवण जांगिड़, विनोद जांगिड़, पंडित हरिओम शास्त्री, श्रवण भादरिया आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

इकराम राजस्थानी ने संभाला पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी के चेयरमैन का पद

जयपुर (हमारा वतन) चौमूं शहर के मूल निवासी और हाल जयपुर निवासी धरती पुत्र ,प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि इकराम राजस्थानी ने पहली बार बनी पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी के चेयरमैन का पद भार संभाल लिया है । अकादमी के नोडल ऑफिसर संजय झाला ने पदभार संभलाया । अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिस भावना और विश्वास के साथ उन्होंने यह दायित्व सौंपा है, उसे निभाने मंस कोई कसर नहीं छोड़ेंगे । बचे हमारे देश के भावी कर्णधार हैं, उन्हें नेहरू जी के जीवन मूल्य और आदर्शों के अनुरूप रचनात्मक प्रवृत्तियों से जोड़ने के लिए सभी संभव कदम उठाए जाएंगे । यह अकादमी देश की पहली बाल साहित्य अकादमी है ।

गौरतलब है कि इकराम राजस्थानी ने प्रदेश ही नहीं, देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी देश का नाम रोशन किया है । इनके द्वारा रचित इंजन की सिटी में म्हारो मन डोले गाना आज भी लोगों की जुबान पर है ।

इस दौरान ललित कला अकादमी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास, राजस्थान मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोराणा ,मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूक अफरीदी, कवि वरुण चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार वसीम अकरम कुरैशी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

3 साल बाद 30 सितंबर को होंगे आरसीए के चुनाव
वैभव फिर करेंगे अध्यक्ष पद पर दावेदारी, 26 को होगा नामांकन

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में 3 साल बाद एक बार फिर चुनावी बिगुल बज चुका है। आरसीए कार्यकारिणी के लिए 26 सितंबर को नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। वही इसके बाद स्क्रुटनी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही 29 सितंबर को प्रत्याशियों की फाइनल लिस्ट जारी होगी जिसके बाद 30 सितंबर को सुबह वोटिंग और उसके बाद काउंटिंग की प्रक्रिया होगी। आरसीए की ओर से इस बार राम लुभाया को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। हालांकि अब तक राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ने आधिकारिक तौर पर चुनाव का ऐलान नहीं किया है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में फिलहाल सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत की अध्यक्षता में चुनी गई कार्यकारणी सत्ता में है।

विधायक रामलाल शर्मा ने लंपी से संक्रमित आवारा गायों को खिलाई दवाई

चौमूं (हमारा वतन) लंपी स्किन डिजीज नामक बीमारी की रोकथाम और गोवंश में फैली बीमारी से बचाने के लिए विधायक रामलाल शर्मा ने संक्रमित आवारा गायों के लिए जयपुर रोड और दूल्हा सिंह की ढाणी में बनाये गए सेंटर पर आयुर्वेदिक औषधि और मेडिसिन खिलाई। विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि वेटेनरी चिकित्सकों की निगरानी एवं आयुर्वेदिक पद्धति से तैयार की गई आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों युक्त औषधि से बने लड्डू और टेबलेट्स से गोधन को बचाने में सहायक होगी। इस मौके पर पार्षद गजेंद्र यादव, गोरक्षा कन्हैया लाल सैनी एवं टीम, विनोद गोदारा, दिनेश गोरा, मदन गोरा, अर्पित सैनी, एनआर यादव सहित गौ रक्षक उपस्थित रहे।

स्टेट एम्पावर्ड कमेटी की बैठक में 4200 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा की अध्यक्षता में हुई स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी की 39वीं बैठक में कस्टमाइज्ड पैकेज के लिए 4200 करोड़ से अधिक रुपए के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा की गई। प्रदेश में अपनी निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए सीमेन्ट, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रोनिक व्हीकल, बेवरेजेस और टूरिज्म क्षेत्र की सात कम्पनियों ने अपने निवेश प्रस्ताव रखे। समिति द्वारा इन प्रस्तावों को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना -2019 के तहत दिये जाने वाले इन्सेन्टिव के अतिरिक्त विशेष निवेश पैकेज देने की अनुशंसा की गई। बैठक में वण्डर सीमेन्ट लिमिटेड ने जैसलमेर में 1 हजार 800 करोड़ के निवेश से इन्टीग्रेटेड सीमेन्ट प्लान्ट शुरू करने का निवेश प्रस्ताव दिया। बोतल बंद पेय बनाने वाली कम्पनी वरुण बेवरेजेस द्वारा लगभग 636 करोड़ के निवेश से बूंदी जिले में कार्बोनेटेड पेय तथा जूस आधारित पेय बनाने के लिए उद्योग लगाने का प्रस्ताव दिया गया । कम्पनी के देश भर में 31 प्लान्ट हैं। देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन निर्माता कम्पनी हीरो इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने भिवाड़ी में 15 से 20 लाख वाहन प्रतिवर्ष निर्माण की क्षमता वाली मेन्यूफेक्चरिंग यूनिट खोलने का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया, जिसमें तकरीबन एक हजार 240 करोड़ का निवेश होगा। इस इकाई की स्थापना से 4 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स/विनायल | ऑफसैट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा